डॉ. के.के. शर्मा की प्रोफाइल

नाम: डॉ. के. के. शर्मा
पदनाम: प्रधान वैज्ञानिक
जन्म तिथि: 31.07.1972
विशेषज्ञता का क्षेत्र: मृदा एवं जल संरक्षण इंजीनियरिंग
ईमेल आईडी: kks8498@yahoo.co.in, kaml.sharma@icar.gov.in
ईआरपी आईडी: 008066
मोबाइल:9012310640 ; फ़ोन: ; फैक्स:

शिक्षा

डिग्री	उत्तीर्ण करने का वर्ष	विश्वविद्यालय/संस्थान
पीएचडी	2002	आईएआरआई, नई दिल्ली
एम. टेक.	1999	GBPUA&T पंतनगर

व्यावसायिक इतिहास

पद	वर्ष	संगठन
प्रधान वैज्ञानिक (एसडब्ल्यूसीई)	मार्च, 2017 से अब तक	आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, आगरा
वरिष्ठ वैज्ञानिक (एसडब्ल्यूसीई), RGP 9000,	मार्च, 2014 से मार्च 2017	आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, आगरा
वरिष्ठ वैज्ञानिक (SWCE), RGP 8000	मार्च 2011 से मार्च 2014	आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, आगरा
वैज्ञानिक,वरिष्ठ वेतनमान (SWCE)	अगस्त 2006 से मार्च 2011	आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवॉटर एक्वाकल्चर, भुवनेश्वर
वैज्ञानिक (SWCE)	अगस्त 2002 से अगस्त 2006	आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवॉटर एक्वाकल्चर, भुवनेश्वर

प्रकाशन (सारांश)

क्र.सं.	प्रकाशन	क्रमांक
1.	अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में शोध पत्र	03
2.	नेशनल जर्नल में शोध पत्र	21
3.	लोकप्रिय लेख	05
4.	पुस्तक अध्याय	02
5.	पुस्तकें	01
6.	सम्मेलन पत्र	05

सबसे महत्वपूर्ण 5 प्रकाशन

1. के.के. शर्मा और एस.के. दुबे, 2013. उत्तर प्रदेश के अर्ध-शुष्क क्षेत्र में जल संचयन और सिंचाई की योजना के लिए वर्षा की संभावना विश्लेषण। IJSC, Vol. 41, No-1 pp 14-19.
2. के.के. शर्मा, बी.सी. महापात्र, पी.सी. दास, बिकास सरकार और एस. चंद, 2013. अपशिष्ट मात्रा के संदर्भ में मीठे पानी के जलीय कृषि तालाबों के लिए जल बजट। Agricultural Sciences, Vol-4, No-8pp 353-359.
3. के.के. शर्मा, एस.के. गुप्ता, आर.पी. सिंह और एच.एस. चौहान, 2003. जल निकासी डिजाइन के लिए हाइड्रोलिक चालकता का आकलन करने के लिए पारंपरिक और भू-सांख्यिकीय प्रक्रियाओं की तुलना. Journal of the Indian Society of Soil Science, Vol-51 No-04, pp 489-495.
4. बी. सी. महापात्र, बिकास सरकार, के.के. शर्मा और डी. माझी, 2009. आउटडोर कल्चर सिस्टम में कार्प फीडिंग के लिए डिमांड फीडर का डिजाइन और विकास। Agricultural Engineering International : The CIGR e-journal, Vol-XI.
5. ए.के. सिंह, एस. काला, एस.के. दुबे, वी.सी. पांडे, बी.के. राव, के.के. शर्मा और के.पी. महापात्रा, 2015. यमुना बीहड़ों के पुनर्वास के लिए प्रौद्योगिकी - बांस वृक्षारोपण के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए लागत प्रभावी प्रथाएं। Current Science, Vol. 108, No. 8.

गूगल स्कॉलर लिंक

https://scholar.google.com/scholar?start=0&q=K.+K.+Sharma,+Indian+Institute+of+soil+and+water+conservation+Research+centre+Agra&hl=en&as_sdt=0,5

रिसर्च गेट लिंक

Researchgate.net/profile/kamal-sharma-2

पुरस्कार/अध्येतावृत्ति/मान्यताएँ

क्रमांक.	पुरस्कार/फ़ेलोशिप /मान्यता पुरस्कार का नाम	संगठन	पुरस्कार का वर्ष
1.	GATE Fellowship for M. Tech.	HRD Ministry, GOI	1996
2.	IARI fellowship for Ph. D	IARI, New Delhi	1999

PI के रूप में अनुसंधान परियोजनाएं (On-going)

1. भारत के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अंतर्गत मिट्टी की संवेदनशीलता और लचीलेपन के मूल्यांकन के लिए कटाव उत्पादकता संबंध। (Start Date: 01 Apr 2008 , End Date : 31 Mar 2021)
2. भारत के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी क्षेत्रों के अंतर्गत पुनः प्राप्त अपमानित पारिस्थितिकी प्रणालियों में प्रचलित और अनुशंसित भूमि उपयोग की कार्बन पृथक्करण क्षमता। (As Co-PI)
3. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न समय के पैमाने पर जलवायु मापदंडों की परिवर्तनशीलता और प्रवृत्ति का आकलन। (As collaborating PI)
4. कृषि-ड्रोन परियोजना के अंतर्गत भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कृषि ड्रोन तकनीक का प्रदर्शन। (Externally funded, ICARATARI-Ludhiana funded) (As collaborating PI)
5. भारत के विभिन्न कृषि पारिस्थितिक क्षेत्रों में संसाधन संरक्षण और उत्पादकता पर प्राकृतिक खेती पद्धतियों का प्रभाव। (मुख्य परियोजना), (As Co-PI)

PI के रूप में अनुसंधान परियोजनाएं (Concluded)

1. जलीय कृषि तालाब के लिए यंत्रीकृत मछली संचयन प्रणाली का डिजाइन, विकास और प्रदर्शन मूल्यांकन (As PI)
2. गर्म और आर्द्र जलवायु के तहत मीठे पानी के मछली तालाब का जल बजट मॉडलिंग (As PI)
3. अर्धशुष्क क्षेत्र के अंतर्गत इष्टतम फसल योजना के लिए राविनस वाटरशेड तालाब का जल बजट बनाना। (As PI)
4. कंसोर्टिया अनुसंधान मंच - जल थीम 1 जल संसाधन संवर्धन/संरक्षण।(As Collaborating Center PI)
5. भारत के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों के अंतर्गत अनुशंसित भूमि उपयोग प्रणाली/प्रथाओं के जल विज्ञान संबंधी व्यवहार और उत्पादन क्षमता का मूल्यांकन।(As Collaborating Center PI)
6. चंबल और यमुना बीहड़ों के चित्रण और लक्षण वर्णन के लिए पद्धतिगत ढांचा विकसित करना। (As Co-PI)
7. विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अंतर्गत खाइयों के डिजाइन का क्षेत्र मूल्यांकन।(As Co- PI)
8. भारत में विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और प्रबंधन हस्तक्षेप से पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन (प्रारंभ तिथि: 01 जून 2018, अंतिम तिथि: 31 मई 2021, (As Collaborating Center PI)

अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

1. Acting Head, आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, आगरा (01.12.2021 to 20.09.2023).
2. OIC (B&M), आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, आगरा , up to 2020
3. CPIO, आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, आगरा
4. OIC (In-plants Training), आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, आगरा

परामर्शी) Consultancies

1. Consultancy on "रैविन रिक्लेमेशन की मैक्रो प्लानिंग", राष्ट्रीय बांस मिशन, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।
2. डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई -2.0, राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के तहत चयनित उत्तर प्रदेश के ग्यारह जिलों में सोलह मैक्रो वाटरशेड के लिए वाटरशेड विकास योजना (डीपीआर) की तैयारी में तकनीकी बैकस्टॉपिंग।